भा. कृ. अनु. प.– केंद्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान
पहुज डेम के पास, ग्वालियर रोड, झाँसी (उ.प्र.) – 284003

हर मेड़ पर पेड़

•कृषिवानिकी पद्धति में बॉस एक महत्वपूर्ण प्रजाति है जो कि कम लागत एवं समय में किसान की आय को बढ़ाता है। मुख्यतः बॉस को खेत की मेड़ पर (बाउन्ड्री प्लान्टेशन) 45 से.मी.ग 45 से.मी आकार के गड्ढों में 3 से 5 मी. की दूरी पर लगाया जाता है। अच्छी तरह से स्वस्थ, ठोस तथा उसकी ऊँचाई 40–50 से.मी. तथा प्रकंद युक्त बॉस का पौधा ही लगायें।

•अच्छी बरसात (जुलाई माह) होने के बाद बॉस के पौधो को थाला बनाकर ही पानी दें।

•शुरूआत में बॉस के थालों में महिने में कम से कम एक बार निराई–गुड़ाई जरूर करें ताकि पौधों की बढ़वार सुचारू रूप से हो सके।

•बॉस की पौध को लगाने के बाद (30 दिनों के अन्तराल पर) युरिया, डी.ए.पी. तथा पोटाश प्रति पौधा क्रमः 50 ग्राम : 25 ग्राम : 25 ग्राम प्रत्येक थाले में 10 से.मी. नीचे डालें।

कृषिवानिकी संबंधित किसी भी जानकारी हेतु किसान भाई, निदेशक, भाकृअनुप–केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झॉसी (उ0प्र0) से सम्पर्क करें।

निदेशक
केंद्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी